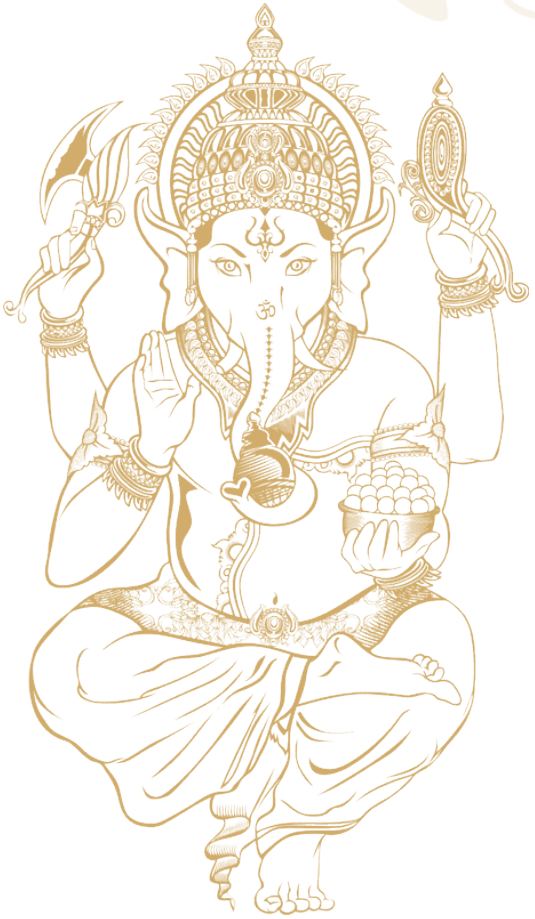

Mr. Pardeep

05 Dec 1976

04:50 AM

Una

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120415809

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
4-05/12/1976	जन्म तिथि	**05/12/2025**
शनि-रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 04:50:00	जन्म समय	18:22:28 घंटे
घटी 54:13:10	जन्म समय(घटी)	28:02:09 घटी
India	देश	India
Una	स्थान	Una
उत्तर 31:28:00	अक्षांश	31:28:00 उत्तर
पूर्व 76:19:00	रेखांश	76:19:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:44	स्थानिक संस्कार	-00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:43	सूर्योदय	07:09:36
17:21:15	सूर्यास्त	17:21:16
23:32:13	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:13

तुला	लग्न	मिथुन
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मेष	राशि	वृष
मंगल	राशि-स्वामी	शुक्र
कृतिका	नक्षत्र	मृगशिरा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	2
शिव	योग	साध्य
गर	करण	कौलव
अ-अश्विनी	जन्म नामाक्षर	वो-वोहिनी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	चतुष्पाद
मेष	योनि	सर्प
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
गरूड़	वर्ग	मृग
49	गत/तत्कालिक वर्ष	50

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
स्वाति	4	19:14:02	तुला		
ज्येष्ठा	1	19:25:06	वृश्चि		
कृतिका	1	29:52:55	मेष		
अनुराधा	4	16:31:36	वृश्चि		अ
मूल	2	04:20:36	धनु		
कृतिका	2	00:24:11	वृष	व	
उत्तराषाढ़ा	2	01:03:35	मक		
आश्लेषा	2	23:17:34	कर्क	व	
स्वाति	1	09:35:07	तुला	व	
अश्विनी	3	09:35:07	मेष	व	
स्वाति	3	16:03:35	तुला		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मिथु	05:13:34	4	मृगशिरा
सूर्य			वृश्चि	19:25:06	1	ज्येष्ठा
चंद्र			वृष	27:32:14	2	मृगशिरा
मंगल		अ	वृश्चि	28:26:51	4	ज्येष्ठा
बुध			तुला	29:03:24	3	विशाखा
गुरु	व		मिथु	29:59:49	3	पुनर्वसु
शुक्र			वृश्चि	11:40:55	3	अनुराधा
शनि			मीन	00:59:10	4	पू०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	19:23:59	4	शतभिषा
केतु	व		सिंह	19:23:59	2	पू०फाल्गुनी
मु	प		वृश्चि	19:14:02	1	ज्येष्ठा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:13

लग्न-चलित

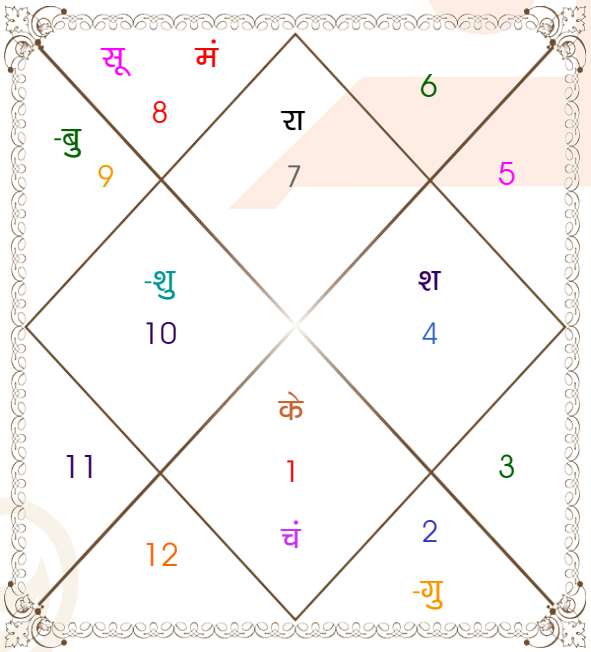

वर्ष लग्न कुंडली

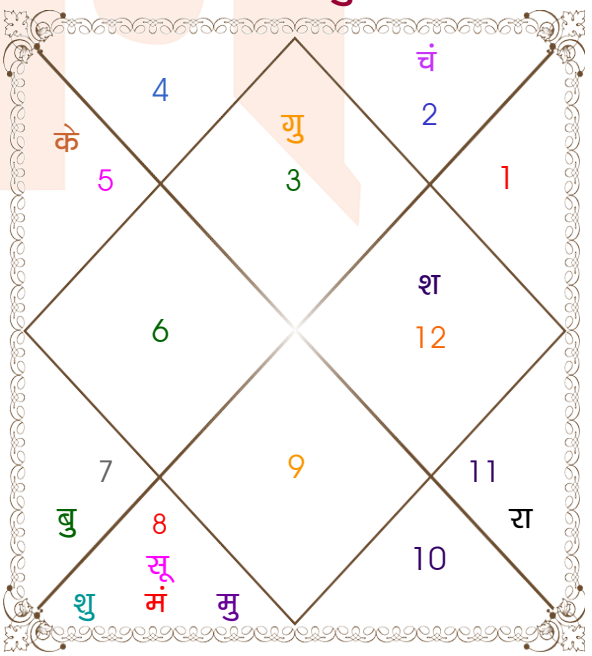

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शुक्र - गुरु	
14/09/2025 09:37	
22/01/2026 06:25	
गुरु	01/10/2025 17:12
शनि	22/10/2025 06:41
बुध	09/11/2025 16:14
केतु	17/11/2025 06:03
शुक्र	08/12/2025 21:31
सूर्य	15/12/2025 09:21
चंद्र	26/12/2025 05:05
मंगल	02/01/2026 18:54
राहु	22/01/2026 06:25

गुरु - शुक्र - शनि	
22/01/2026 06:25	
25/06/2026 11:37	
शनि	15/02/2026 16:27
बुध	09/03/2026 12:47
केतु	18/03/2026 12:41
शुक्र	13/04/2026 05:33
सूर्य	20/04/2026 22:37
चंद्र	03/05/2026 19:03
मंगल	12/05/2026 18:57
राहु	04/06/2026 22:08
गुरु	25/06/2026 11:37

गुरु - शुक्र - बुध	
25/06/2026 11:37	
10/11/2026 11:13	
बुध	15/07/2026 00:46
केतु	23/07/2026 01:57
शुक्र	15/08/2026 01:53
सूर्य	21/08/2026 23:27
चंद्र	02/09/2026 11:25
मंगल	10/09/2026 12:36
राहु	01/10/2026 05:20
गुरु	19/10/2026 14:53
शनि	10/11/2026 11:13

गुरु - शुक्र - केतु	
10/11/2026 11:13	
06/01/2027 06:49	
केतु	13/11/2026 18:46
शुक्र	23/11/2026 06:02
सूर्य	26/11/2026 02:13
चंद्र	30/11/2026 19:51
मंगल	04/12/2026 03:23
राहु	12/12/2026 15:56
गुरु	20/12/2026 05:45
शनि	29/12/2026 05:39
बुध	06/01/2027 06:49

गुरु - सूर्य - सूर्य	
06/01/2027 06:49	
20/01/2027 21:28	
सूर्य	07/01/2027 00:21
चंद्र	08/01/2027 05:34
मंगल	09/01/2027 02:02
राहु	11/01/2027 06:37
गुरु	13/01/2027 05:23
शनि	15/01/2027 12:54
बुध	17/01/2027 14:34
केतु	18/01/2027 11:01
शुक्र	20/01/2027 21:28

गुरु - सूर्य - चंद्र	
20/01/2027 21:28	
14/02/2027 05:52	
चंद्र	22/01/2027 22:10
मंगल	24/01/2027 08:15
राहु	27/01/2027 23:55
गुरु	31/01/2027 05:50
शनि	04/02/2027 02:22
बुध	07/02/2027 13:09
केतु	08/02/2027 23:15
शुक्र	13/02/2027 00:39
सूर्य	14/02/2027 05:52

गुरु - सूर्य - मंगल	
14/02/2027 05:52	
03/03/2027 06:57	
मंगल	15/02/2027 05:43
राहु	17/02/2027 19:05
गुरु	20/02/2027 01:38
शनि	22/02/2027 18:24
बुध	25/02/2027 04:21
केतु	26/02/2027 04:13
शुक्र	01/03/2027 00:24
सूर्य	01/03/2027 20:51
चंद्र	03/03/2027 06:57

गुरु - सूर्य - राहु	
03/03/2027 06:57	
16/04/2027 02:52	
राहु	09/03/2027 20:44
गुरु	15/03/2027 16:59
शनि	22/03/2027 15:32
बुध	28/03/2027 20:34
केतु	31/03/2027 09:55
शुक्र	07/04/2027 17:15
सूर्य	09/04/2027 21:50
चंद्र	13/04/2027 13:30
मंगल	16/04/2027 02:52

गुरु - सूर्य - गुरु	
16/04/2027 02:52	
25/05/2027 01:54	
गुरु	21/04/2027 07:32
शनि	27/04/2027 11:35
बुध	03/05/2027 00:03
केतु	05/05/2027 06:35
शुक्र	11/05/2027 18:26
सूर्य	13/05/2027 17:11
चंद्र	16/05/2027 23:06
मंगल	19/05/2027 05:39
राहु	25/05/2027 01:54

गुरु - सूर्य - शनि	
25/05/2027 01:54	
10/07/2027 08:16	
शनि	01/06/2027 09:43
बुध	07/06/2027 23:01
केतु	10/06/2027 15:47
शुक्र	18/06/2027 08:50
सूर्य	20/06/2027 16:22
चंद्र	24/06/2027 12:53
मंगल	27/06/2027 05:40
राहु	04/07/2027 04:13
गुरु	10/07/2027 08:16

गुरु - सूर्य - बुध	
10/07/2027 08:16	
20/08/2027 17:45	
बुध	16/07/2027 05:00
केतु	18/07/2027 14:57
शुक्र	25/07/2027 12:32
सूर्य	27/07/2027 14:13
चंद्र	31/07/2027 01:00
मंगल	02/08/2027 10:57
राहु	08/08/2027 15:59
गुरु	14/08/2027 04:26
शनि	20/08/2027 17:45

गुरु - सूर्य - केतु	
20/08/2027 17:45	
06/09/2027 18:49	
केतु	21/08/2027 17:36
शुक्र	24/08/2027 13:47
सूर्य	25/08/2027 10:14
चंद्र	26/08/2027 20:20
मंगल	27/08/2027 20:12
राहु	30/08/2027 09:33
गुरु	01/09/2027 16:06
शनि	04/09/2027 08:52
बुध	06/09/2027 18:49

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आप के लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति इस समय सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं व्याकुलता का भाव मन में बना रहेगा। शत्रु तथा विरोधी प क्ष यदा कदा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा परन्तु स्वबुद्धिबल से आप उनका दमन करने में समर्थ रहेंगे। लेखन एवं अध्ययन के प्रति इस वर्ष में आप परिश्रम शील रहेंगे साथ ही कलाओं का ज्ञान भी न्यूनाधिक मात्रा में अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आप अपने व्यवहार के द्वारा अन्य जनों पर सामान्य प्रभाव डालने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही समयोचित तत्काल प्रत्युतर देने में आप चतुराई का प्रदर्शन करेंगे। गणित या अन्य ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में भी आपको किंचित सफलता इस वर्ष में प्राप्त हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य ही रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति होगी परन्तु उसमें परिश्रम की अधिकता रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग में भी यदा कदा व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें विलम्ब तथा रूकावटें आएंगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से भी आपके संबध मध्यम ही रहेंगे। अतः इनसे भी कोई विशेष लाभ या सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी संतोषप्रद ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही धनार्जन होगा। साथ ही सामाजिक मान सम्मान प्रतिष्ठा एवं यश भी सामान्य ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक मात्रा में सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए आप का यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।